



# बिहार गजट

## असाधारण अंक

### बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

---

22 चैत्र 1938 (श०)  
(सं० पटना 306) पटना, सोमवार, 11 अप्रील 2016

---

जल संसाधन विभाग

अधिसूचना

4 मार्च 2016

सं० 22/नि० सि० (पू०)—01-08/2014/378—श्री गिरिजानन्द सिंह, तत्कालीन कार्यपालक अभियन्ता, जल निस्सरण एवं अनुसंधान प्रमण्डल, किशनगंज के विरुद्ध जिला स्तरीय निर्धारित साप्ताहिक बैठक में भाग नहीं लेने एवं बिना पुर्वानुमति प्राप्त किये मुख्यालय से बाहर रहने तथा विभागीय कार्यों के प्रति लापरवाही बरतने, कटाव निरोधक कार्यों में व्यय की गई राशि एवं कार्य करने वाले एजेन्सीयों के संबंध में जिला पदाधिकारी द्वारा पृच्छा किये जाने पर आवेश में आकर जोर जोर से अससंदीय शब्दों का प्रयोग करने आदि कतिपय आरोपों के लिए जिला दण्डाधिकारी एवं समाहर्ता किशनगंज द्वारा एक प्रतिवेदन समर्पित किया गया। जिला पदाधिकारी से प्राप्त उक्त प्रतिवेदन के आलोक में विभागीय पत्रांक 1000 दिनांक 23.07.14 द्वारा श्री सिंह से स्पष्टीकरण की मांग की गयी। श्री सिंह से प्राप्त स्पष्टीकरण की समीक्षा सरकार के स्तर पर की गयी।

समीक्षा में पाया गया कि किशनगंज प्रखण्ड के दौला पंचायत के मौजा-वेलवाडांगी में हो रहे कटाव के कारण अनुसूचित जातियों के लोगों के बेधर होने का खतरा था, जिसके लिए बाढ़ संघर्षात्मक कार्रवाई ससमय नहीं किये जाने के संबंध में जिला पदाधिकारी द्वारा श्री सिंह से पृच्छा की गयी, जिस पर श्री सिंह द्वारा कहा गया कि आज से रमजान शुरू होने के कारण मजदूरों द्वारा जल्दी कार्य छोड़ने एवं स्थानीय स्तर पर वृहत प्रयास के बावजूद रात्रि में मजदूर काम हेतु तैयार नहीं हुए। कार्यपालक अभियन्ता का जवाब संवेदनहीन तथा मामले की गंभीरता से कोई सारोकार नहीं रखने वाला था, जिसके कारण जिला पदाधिकारी द्वारा उन्हें निर्देशित किया गया। जिस पर श्री सिंह की शैली अशोभनीय रही है। ऐसे संवेदनशील मामले में अपने कर्तव्य के प्रति संवेदनशीलता एवं वरीय पदाधिकारी से वार्ता के दौरान श्री सिंह द्वारा जिस प्रकार की संयमित भाषा का प्रयोग की जानी चाहिए थी वैसा उनके द्वारा नहीं किया गया। कार्यपालक अभियन्ता को रमजान होने एवं उनके अधीनस्थों द्वारा रात्रि में मजदूर नहीं मिलने पर स्थानीय जन प्रतिनिधि/प्रखण्ड विकास पदाधिकारी/अंचलाधिकारी/अनुमण्डल पदाधिकारी से सहयोग प्राप्त करने का प्रयास करना चाहिए था, जो उनके स्तर से नहीं किया गया। ऐसी स्थिति में कोई अनहोनी घटना होने पर प्रशासन के लिए समस्या होने की भी संभावना थी।



इस तरह सम्यक समीक्षोपरान्त उपरोक्त तथ्यों के आलोक में श्री सिंह के विरुद्ध कर्तव्य में लापरवाही एवं अनुशासनहीनता का आरोप प्रमाणित पाया गया।

उक्त प्रमाणित आरोपों के लिए श्री गिरिजानन्द सिंह, तत्कालीन कार्यपालक अभियन्ता, जल निस्सरण एवं अनुसंधान प्रमण्डल, किशनगंज को अनुशासनिक प्राधिकार द्वारा निम्न दण्ड देने का निर्णय लिया गया है:-

1. निन्दन वर्ष 2014-15
2. एक वेतनवृद्धि पर असंचयात्मक प्रभाव से रोक।

सरकार के उक्त निर्णय के आलोक में श्री गिरिजानन्द सिंह, तत्कालीन कार्यपालक अभियन्ता, जल निस्सरण एवं अनुसंधान प्रमण्डल, किशनगंज सम्प्रति कार्यपालक अभियन्ता, सिंचाई प्रमण्डल, त्रिवेणीगंज, वीरपुर को निम्न दण्ड संसूचित किया जाता है।

1. निन्दन वर्ष 2014-15
2. एक वेतनवृद्धि पर असंचयात्मक प्रभाव से रोक।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,  
सतीश चन्द्र झा,  
सरकार के अपर सचिव।

---

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,  
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।  
बिहार गजट (असाधारण) 306-571+10-डी0टी0पी0।  
Website: <http://egazette.bih.nic.in>